



"मानव सिर्फ सुखी होना नहीं, बल्कि निरंतर सुखी होना चाहता है"

आनंद सभा

सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर आधारित





मानव के आचरण शिक्षा से जीने की कला ही आनंद सभा का उद्देश्य - पांडे

इंदौर (दस्तक)। मानव के आचरण शिक्षा से जीने की कला है आनंद सभा। अब तक शैक्षणिक दायित्व संभालने वाले विषय विशेषज्ञ अब नैतिक मूल्यों के संवाहक बनने की दिशा में भी अग्रसर हैं। इनके संरक्षण को लेकर भी वे आत्म चिंतन करेंगे और भविष्य में विद्यार्थियों में एक नई अनुभूति की रचना करेंगे।

इन दिनों स्थानीय शासकीय बाल विनय में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्कूल आफ एक्सीलेंस में राज्य आनंद सभा विभाग द्वारा छः दिवसीय आवासीय आनंद सभा का

आयोजन किया जा रहा है इसमें प्रबोधनकार के रूप में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ इंदौर संभाग के शिक्षक शिक्षिकाओं को विशेष प्रशिक्षण दे रहे हैं।

यहां प्रमुख प्रबोधनकार के रूप में प्रोफेसर आलोक पांडे लखनऊ अलका वारुडकर भोपाल मार्गदर्शन कर रहे हैं और इंदौर संभाग के खंडवा बुरहानपुर खरगोन बड़वानी अलीराजपुर धार झाबुआ के शिक्षक शिक्षिकाओं की विभिन्न जिज्ञासाओं को शांत कर उनके प्रश्नों के जवाब भी दे रहे हैं वही लीड वालंटियर के रूप में अवध प्रताप सिंह चौहान सुनील पाटीदार मंदसौर काजल इंदोरे खंडवा

विजय मेवाड़ा इंदौर प्रशांत प्रिय गौर ग्वालियर अनिल कांबले कटनी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

अपने व्याख्यान में प्रोफेसर आलोक पांडे ने कहा कि व्यक्ति जीवन में विभिन्न स्थितियों में स्वीकृति और सहज स्वीकृति की बारीक रेखा को समझे यदि उसने इस स्थिति को समझ लिया तो मान लीजिए उसकी बहुत सारी मुश्किलें आसान हो सकती हैं। उसका जीवन और समय प्रसन्नता से भरा रह सकता है। अलका वारुडकर का कहना था कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थी शिक्षक शिक्षिकाओं में सार्वभौमिक मानवीय

मूल्यों से आनंद की ओर ले जाना तथा उनमें स्थानीय आनंद की अनुभूति करवाना है ताकि वैसा ही माहौल और वातावरण वह विद्यार्थियों को भी दे सके।

इस अवसर पर राघवेंद्र दुबे ने भी संबोधित किया। प्रबंधक प्राचार्य पूजा सक्सेना, संगीता विनायक, ज्योति लांभाते केदारे, शाहिद खान ने बताया कि प्रशिक्षण का यह तीसरा चरण है। प्रशिक्षणार्थी राजेश मावी, मनीष बैरागी, प्रमोद नायक, स्वाति मूलगांवकर, योगेश वर्तक का कहना है कि यह प्रशिक्षण प्रशिक्षणार्थियों के साथ विद्यार्थियों का भी भविष्य उज्ज्वल करेगा।



मध्यप्रदेश शासन



राज्य आनंद संस्थान

आपके जीवन में खुशहाली, आत्म-संतोष और सामूहिक सद्भाव को बढ़ावा देने हेतु सतत् प्रयासरत

जानिए हमारे विशेष कार्यक्रम “आनंद की ओर” के बारे में

- “आनंद की ओर” एक जागरूकता आधारित कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य प्रदेश के नागरिकों को आंतरिक संतुलन, सहज स्वीकृति (अंदर की आवाज़) के अनुसार कार्य करने, तथा प्रसन्न रहने की प्रविधियों से परिचित कराना है।
- यह 3 से 6 दिवसीय कार्यक्रम है, जो सार्वभौमिक मानवीय मूल्य टीम (U.H.V.) एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) के सहयोग से मध्यप्रदेश में राज्य आनंद संस्थान द्वारा संचालित किया जाता है।
- संस्थान का उद्देश्य है कि प्रदेश के “आनंदक” इस कार्यक्रम से जुड़कर न केवल स्वयं आनंदमयी जीवन जिएं, बल्कि दूसरों को भी आनंद की दिशा में प्रेरित करें।



'आनंद सभा - सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से आनंद की ओर' पाठ्यक्रम में शामिल

"आनंद सभा" केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मिक विकास और सामूहिक प्रसन्नता का माध्यम है

आनंद सभा का सत्र संचालित करने के लिए क्या करना होगा ?



आनंद सभा के संचालन के इच्छुक शिक्षक/आनंदक को
राज्य आनंद संस्थान को लिखित रूप में अपनी सहमति प्रेषित करनी होगी

विद्यालय प्राचार्य तथा संबंधित शिक्षक की सहमति के आधार पर
शिक्षक का चयन/नामांकन प्रशिक्षण हेतु किया जा सकता है

आनंद सभा संचालन हेतु इच्छुक शिक्षक को निम्न में से
किसी एक प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेना अनिवार्य है:

- तीन दिवसीय "आनंद की ओर" कार्यशाला
- छह दिवसीय "आनंद सभा - सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों के आधार पर" कार्यशाला
- प्रशिक्षण उपरांत, शिक्षक को आनंद सभा की विषयवस्तु को सर्वप्रथम अपने जीवन में उतारने के लिए दो माह का समय दिया जाएगा
- इस अवधि में उन्होंने अपने व्यवहार या दृष्टिकोण में क्या परिवर्तन अनुभव किए, इसकी लिखित जानकारी संस्थान को देना आवश्यक होगा
- प्रेषित जानकारी के आधार पर संबंधित शिक्षक/आनंदक को राज्य आनंद संस्थान/शिक्षा विभाग द्वारा अधिकृत किया जाएगा, जिससे वे विद्यालय में आनंद सभा का नियमित रूप से संचालन कर सकें



राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग, मध्यप्रदेश के निर्देशन में 6 दिवसीय "आनंद सभा" प्रशिक्षण कार्यक्रम



शिक्षक बोले - सबसे पहले यह प्रशिक्षण हमारे लिए जरूरी

प्रशिक्षण संभाग के 100 शिक्षक केवल विषय विशेषज्ञ नहीं, बल्कि आत्मिक और नैतिक मूल्यों के संवाहक बनेंगे

बनेंगे आनंद के संवाहक, सीख रहे आत्मिक विकास के सूत्र

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैन: उज्जैन संभाग के 100 चयनित शिक्षक अब केवल विषय विशेषज्ञ नहीं, बल्कि आत्मिक और नैतिक मूल्यों के संवाहक बनने की दिशा में अग्रसर हैं। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय माधव नगर में गुरुवार से प्रारंभ हुए छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर में शिक्षक 'सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से आनंद की ओर' विषय पर गहराई से आपत्तिचिंतन और संवाद कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को स्वयं में स्थायी प्रसन्नता और संतुलन की अनुभूति कराना है, ताकि वे छात्रों को खुशहाल और सकारात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित कर सकें।

प्रशिक्षण में शिक्षक संवाद की प्रक्रिया के माध्यम से यह समझ रहे हैं कि सच्चा आनंद क्या है और वह कैसे स्वयं, परिवार, समाज और प्रकृति के प्रति समर्पित जीवन से प्राप्त हो सकता है। प्रबोधकों के रूप में गाजियाबाद से रुद्रप्रताप सिंह, सिकंदराबाद की लिपिका मिश्रा और पुणे से महेश कोरे शिक्षकों को जीवन मूल्यों की व्यावहारिक समझ दे रहे हैं। यह शिविर अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यू टीम के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है।

संभागीय संयुक्त संचालक रमा नाहटे की निगरानी में चल रहे प्रशिक्षण का यह तीसरा चरण है। नोडल अधिकारी प्राचार्य मुकेश त्रिवेदी और सहयोगी प्राचार्य बीएमएस परिहार ने बताया कि यह पहल केवल शैक्षणिक नहीं, बल्कि एक सामाजिक और भावनात्मक क्रांति की शुरुआत है, जो आने वाली पीढ़ी को संपूर्ण और संतुलित नागरिक बनाने में सहायक होगी। प्रशिक्षित शिक्षक आगामी शिक्षा सत्र में प्रत्येक शनिवार को आयोजित 'आनंद सभा' में विद्यार्थियों को यही मूल्य सिखाएंगे। शिविर के समन्वयक आनंद विभाग से केसरीचंद पुरोहित हैं।

पाठ्य पुस्तक निर्माण की भी हो रही तैयारी

राज्य आनंद संस्थान इस विचारधारा को पाठ्यक्रम में भी शामिल करने की दिशा में कार्य कर रहा है। प्रशिक्षण के उपरंत चयनित मास्टर ट्रेनर संभाग के 3600 अन्य शिक्षकों को प्रशिक्षित करेगे, जिससे हर विद्यालय में प्रशिक्षित शिक्षक की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। पिछले शिक्षा सत्र में प्रदेश के 274 सीएम राइस स्कूल और 46 उत्कृष्ट विद्यालयों में आनंद सभा का संचालन हुआ था। इस वर्ष से यह प्रयास सभी शासकीय हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों तक विस्तार पाएगा।

प्रशिक्षण लेने आए शिक्षकों के साथ संभागीय संयुक्त संचालक रमा नाहटे एवं प्राचार्यगण। • नईदुनिया

Ujjain- Anand Sabha Training May-2025



जीवन में संतुलन और प्रसन्नता का माध्यम है- 'आनंद सभा'